चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 9.4.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-5

एचएयू में देशभर के 24 सीड टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों की राष्ट्रीय बैठक शुरू, 200 वैज्ञानिक करेंगे मंथन

पिछले साल देश में प्रजनक बीजों के लिए 83 हजार क्विंटल का था टारगेट, 1.15 लाख क्विंटल बीजों का हुआ उत्पादन

भास्कर न्यूज | हिसार

देश में किसानों तक अनाज का बेहतर बीज मुहैया कराने के लिए 24 सीड टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर्स पर काम किया जाता है। इन केन्द्रों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को एचएयू में वार्षिक बैठक में आंकड़ों के साथ प्रजनक बीजों का स्टेटस भी साझा किया। उन्होंने बताया कि 2018- 19 के आंकड़ों पर गौर करें तो देश में प्रजनक बीजों के उत्पादन के लिए 83,690 क्विंटल का टारगेट रखा गया था जिस पर काम करते सभी सेंटरों ने 1,15,293 क्विंटल बीजों का प्रोडक्शन किया। हालांकि पिछले दो साल से ब्रीड सीड प्रोडक्शन का लक्ष्य लगातार घट रहा है। यह प्रथम जेनरेशन के प्रजनक बीज होते हैं। इनके माध्यम से मल्टीप्लीकेशन के जरिए इन्हें कई गुना तैयार किया जाता है।

जानिए क्या था उत्पादन लक्ष्य

वर्ष	लक्ष्य	उत्पादन
2014-15	86292	100075
2015-16	122160	127823
2016-17	104046	122616
2017-18	98048	118666
2018-19	83690	115293

नोट- आंकड़े क्विंटल में।

14वीं वार्षिक समीक्षा बैठक में 200 कृषि वैज्ञानिकों ने लिया भाग

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना-राष्ट्रीय बीज परियोजना (फसल) की यह 34वीं वार्षिक समूह बैठक है। इसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् यानि आईसीएआर की बीज परियोजना की 14वीं वार्षिक समीक्षा बैठक में देशभर से लगभग 200 कृषि वैज्ञानिक शामिल हुए। एचएयू और भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ (उत्तर प्रदेश) ने संयुक्त रूप से इस बैठक को हिसार में आयोजित किया। इसका शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने किया। इस दौरान केन्द्रीय कृषि एवं सहकारिता विभाग से संयुक्त सचिव (बीज) अश्विनी कुमार और आईसीएआर के अतिरिक्त महानिदेशक(बीज) डॉ. देवेन्द्र कुमार यादव विशिष्ट अतिथि रहे। वहीं वार्षिक रिपोर्ट भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ के निदेशक डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने प्रस्तुत की है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने अतिथियों एवं उपरोक्त वार्षिक बैठक में उपस्थित हुए कृषि वैज्ञानिकों का स्वागत किया। इस दौरान रजिस्ट्रार डॉ. बीआर काम्बोज, डीन पीजीएस डॉ. आशा क्वात्रा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

इन विषयों पर होगी चर्चा

बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी डॉ. वी.पी.एस. सांगवान ने बताया कि तीन दिवसीय बैठक में कुल 10 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें उत्तम बीज उत्पादन, गुणवत्ता, प्रसंस्करण, परिक्षण, बीज रोग एवं कीट विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके अतिरिक्त किसानों की बीजों से सम्बन्धित समस्याओं पर भी विस्तार-पूर्वक चर्चा की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम समय उजाला
दिनांक 9.4.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-6

बीज से संबंधित शोध के एक्सपेरिमेंट हुए फाइनल

एचएयू में चल रही संयुक्त बैठक में हुए पांच टेक्निकल प्रोग्राम, सेंटर वाइज ब्रीडर सीड प्रोडक्शन और एसटीआर की प्रेजेंटेशन दी

एचएयू में सेमिनार के दौरान मंच पर उपस्थित मुख्य वक्ता व अन्य अतिथि।

एचएयू में सेमिनार के दौरान उपस्थित प्रतिभागी व दर्शक।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रही अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना की सामूहिक बैठक के दूसरे दिन सोमवार को वर्ष 2019-20 में बीज से संबंधित होने वाली शोध के एक्सपेरिमेंट को फाइनल किया गया।

इसके अलावा बैठक में पांच टेक्निकल प्रोग्राम के सेशन कराए गए, जिसमें सेंटर वाइज ब्रीडर सीड प्रोडक्शन (प्रजनक बीज उत्पादन) और एसटीआर (बीज प्रौद्योगिकी शोध) विषयों पर वैज्ञानिकों ने अपनी प्रेजेंटेशन दी। दूसरे दिन के कार्यक्रम की अध्यक्षता धारवाड़ विश्वविद्यालय कर्नाटक के पूर्व वीसी डॉ. हुचन्नल ने की।

भारतीय बीज संस्थान मऊ के डायरेक्टर डॉ. दिनेश अग्रवाल ने कहा कि बीजों की गुणवत्ता पर ही फसल निर्भर करती है और उत्तम किस्म के बीज तैयार करने के लिए हमारे वैज्ञानिक दिन-रात लगे हुए हैं। अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना-राष्ट्रीय बीज परियोजना को 34वीं वार्षिक समूह और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की बीज परियोजना की 14वीं वार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय बीज विज्ञान संस्थान मऊ उत्तर प्रदेश संयुक्त रूप से कर रहे हैं। इस बैठक में देश भर से लगभग 200 कृषि वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं और फसलों के बीज की गुणवत्ता पर चल रही शोधों के बारे में अपनी प्रेजेंटेशन दे रहे हैं।

पांच सेशन में दी प्रेजेंटेशन

सोमवार को टेक्निकल प्रोग्राम के पांच सेशन आयोजित किए गए। इस दौरान वैज्ञानिकों ने सेंटर वाइज प्रजनक बीज उत्पादन और बीज प्रौद्योगिकी शोध पर करीब 18-19 प्रेजेंटेशन प्रस्तुत कीं। वर्ष 2019- 2020 में बीज से संबंधित जो रिसर्च होनी है, उस पर सेशन हुए, जिनमें बीज उत्पादन, बीज फिजियोलॉजी और भंडारण, बीज प्रौद्योगिकी, बीज रोग संबंधी, बीज कीट संबंधी विषयों पर एक्सपेरिमेंट फाइनल हुए।

ये रहे बैठक और सेशन में उपस्थित : सोमवार को दूसरे दिन हुई बैठक में और विभिन्न सत्रों के दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. विजय पाल सिंह सांगवान, अतिरिक्त महानिदेशक (बीज) डॉ. देवेंद्र यादव, पूर्व अतिरिक्त बीज निदेशक डॉ. जेएस चौहान और प्रबंधन कमेटी के सदस्य एवं बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग एचएयू के वैज्ञानिक डॉ. विरेंद्र सिंह मोर विशेष रूप से उपस्थित रहे।